



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रतिष्ठित से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 23, 1993/माघ 3, 1914
No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 23, 1993/MAGHA 3, 1914

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलज संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Pages is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और क्षेत्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा
विधि के अन्तर्गत बनाए गए और जारी किए गये साधारण सांख्यिक नियम (जिन्हें साधारण
प्रकार के आदेश, उप नियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general
Character) issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other
than the Administration of Union Territories)

विद्युत मंत्रालय
(केन्द्रीय विद्युत बोर्ड)

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1993

सा.का.नि. 45:- भारतीय विद्युत नियम, 1956 का और संशोधन
करने के लिए नियमों का कतिपयप्राकृतिक भारतीय विद्युत अधिनियम, 1910
(1910 का 9) की धारा 38 की उपधारा (1) की उपधारा द्वारा
भारत सरकार के विद्युत और अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय (केन्द्रीय
विद्युत बोर्ड) की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 357, तारीख 21 जुलाई, 1992
के अन्तर्गत, भारत के राजपत्र, भाग-II, खंड 3, उपखंड, (i) तारीख 1 जनवरी,
1992 में प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन व्यक्तियों से उस राजपत्र
की प्रतियां, जिसमें अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, जिसका को उपलब्ध
कराए जाने की तारीख से नब्बे दिन की अवधि के अन्तर्गत तक आशेष
और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी,

और उक्त सूचना मुख्य समाचार पत्रों द्वारा सितम्बर, 1992 में
प्रकाशित करा दी गई थी,

और उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं।

प्रतः अब केन्द्रीय विद्युत बोर्ड उक्त अधिनियम की धारा 37 द्वारा
प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और प्राप्त आक्षेपों तथा सुझावों पर

सम्यक्त विचार कर लेने के पश्चात् भारतीय विद्युत नियम, 1956 का
और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विधेय बनाता है, अर्थात् :-

नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय विद्युत (संशोधन-1)
नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में इनके अंतिम प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त
होंगे।

2. भारतीय विद्युत नियम, 1956 में:-

(1) नियम 2 के उपनियम (1) में खण्ड (प) के पश्चात् निम्न-
लिखित खंड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(प) “ज्वालासह आवरण” से विद्युत मशीनरी या यंत्र के लिए
कोई ऐसी आवरण अभिप्रेत है जो उस स्थिति में जबकि आवरण या अन्य
प्रवेश द्वार उचित रूप से संरक्षित हों आवरण के भीतर उत्पन्न होने वाली
या प्रवेश कर सकने वाली ज्वलनशील गैस या वाष्प के किसी आंतरिक
विस्फोट से अग्नि पकड़ने बिना और आवरण में किसी जोड़ या अन्य संरचना-
तात्परक प्रवेश के माध्यम से जिसमें कि वह उपयोग के लिए अधिकृत

है प्रांतीय उपभोक्ता (या डिस्ट्रिक्ट) के राज्य व्यवस्थापक जैसे या राज्य से संघर्ष में आए बिना, प्रतिकूल करेगा" ।

(2) नियम 29 के उपनियम (1) में, "कार्मिकों और संस्थित" शब्दों के स्थान पर "नवजनों, पशुओं और संस्थित" शब्द रखे जाएंगे ।

(3) नियम 45 में,

(क) उपनियम (1) में, "उपभोक्ता, स्वामी या अधिभोगी" शब्दों के स्थान पर "उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, स्वामी या अधिभोगी" शब्दों को रखा जाएगा;

(ख) उपनियम (1) के परन्तुक में, "उपभोक्ताओं, स्वामियों या अधिभोगियों" शब्दों पर स्थान पर "उपभोक्ताओं, प्रदायकर्ताओं, स्वामियों या अधिभोगियों" शब्दों को रखा जाएगा;

(4) नियम 58 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

"58 ऊर्जा की पूर्ति का धारम्भ—बिन्दु नियम 50 के अधीन उपभोक्ता द्वारा संस्थापित कट आउट के प्राग्वीक टर्मिनल को उपभोक्ता को ऊर्जा की पूर्ति का धारम्भ बिन्दु माना जाएगा ।"

(5) नियम 89 के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"परन्तु निम्न और महत्व बोधता कनेक्शनों की दशा में प्रति बालक अंश निष्कासनों की संख्या चार से अधिक नहीं होगी ।"

(6) नियम 110 के स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् :-

"स्पष्टीकरण :- इस नियम के प्रयोजन के लिए "इंजीनियर" शब्द से :-

(क) कोयला खान की दशा में, वही अर्थ होगा जो उसका कोयला खान विनियम, 1957 में है ;

(ख) धातुवाहक खान की दशा में, वही अर्थ होगा जो उसका धातु-वाहक खान विनियम, 1961 में है; और

(ग) तेल खान की दशा में, तेल खान विनियम, 1984 के अधीन "संस्थापन प्रबंधक" अभिप्रेत है ।"

(7) नियम 114 के उपनियम (2) में "सूखा निर्मित किया जाएगा और उसे सूखा रखा जाएगा" शब्दों के स्थान पर "सूखा तथा दीपित निर्मित किया जाएगा और उसे सूखा तथा दीपित रखा जाएगा" शब्द रखे जाएंगे;

(8) नियम 116 के उपनियम (3) में "संरक्षण प्रणाली की प्रभावशीलता को" शब्दों के स्थान पर "संरक्षण प्रणाली की प्रभावशीलता बनाई रखी जाएगी तथा अनुरक्षित की जाएगी और प्रत्येक" शब्द रखे जाएंगे ।

(9) नियम 119 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा अर्थात् :-

"119 ट्रांसकार्मर—जहाँ ऊर्जा का रूपांतरण किया जाता है वहाँ उच्चतर वोल्टता यंत्र से क्षरण या संघर्ष द्वारा निम्नतर वोल्टता वाले यंत्र के अक्स-मात उष्मी प्रतापान्वय वोल्टता से अधिक आवेशित हो जाने के कारण खतरे के विरुद्ध रक्षा के लिए उपयुक्त व्यवस्था की जाएगी ।"

(10) नियम 121 में,-

(क) उप नियम (1) में, "खान या तेल क्षेत्र की सतह पर" शब्दों का शोध किया जाएगा ।

(ख) उप नियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्था-पित किया जाएगा, अर्थात् :-

परन्तुक डिग्री 2 और डिग्री 3 के गैसीय कोयला संचिन की दशा में बिद्युत द्वारा प्रचालित मुख्य यांत्रिक संवातक को स्विचगियर के साथ अन्तः-बद्ध किया जाएगा जिससे मुख्य यांत्रिक संवातक के रुकने की स्थिति में बिद्युत का प्रदाय स्वतः वियोजित हो सके ।"

(11) नियम 123 के उपनियम (7) के अन्तर्गत परन्तुक के "बेलनों और खनिजों" शब्दों के स्थान पर "बिद्युत प्रचालित भारी मिट्टी हटाने वाली मशीनरी" शब्द रखे जाएंगे ;

(12) नियम 124 में निम्नलिखित परन्तुक अन्तः में जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

"परन्तु भूमिगत खानों में प्रयोग में आने वाली सभी वस्तुनीय या परि-वहनीय मशीनें पायलट कोड सुरक्षा के साथ संबंधित स्विचगियर से सुदूर नियंत्रण द्वारा परिचालित होंगी ।"

(13) नियम 126 में,—

(क) उप नियम (4) में खंड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः में जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

(क) उप नियम (4) में खंड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः में जोड़ा जाएगा, अर्थात् ;

"और ऐसा यंत्र नियंत्रणात्मक के साथ इस प्रकार अन्तः बंध किया जाएगा जिससे उस विशिष्ट जिले में ज्वलनशील गैस का प्रतिपात एक सही एक बटा चार से अधिक होने की स्थिति में बिद्युत का प्रदाय वियोजित हो सके ।"

(ख) इस प्रकार संशोधित परन्तुक में शब्द "साधित्रो" और "साधित्र" दोनों स्थानों पर, जहाँ-जहाँ वे आते हैं के स्थान पर "यंत्र" शब्द रखा जाएगा ।

(ग) उप नियम (5) में खंड (1) के पश्चात् और विद्यमान परन्तुक से पहले निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"उस तेल-खान में जिसमें ज्वलनशील गैस का सांद्रण उसके निम्नतम डिस्ट्रिक्ट सीमा का 20 प्रतिशत से अधिक होता है उन सभी क्षेत्रों और यंत्रों से जो संस्थापन से 30 मीटर के भीतर है बिद्युत ऊर्जा का प्रदाय तुरन्त बन्द कर दिया जाएगा और उस क्षेत्र से ज्वलन के सभी स्त्रोतों को भी हटा दिया जाएगा । जब तक क्षेत्र को गैस मुक्त नहीं कर दिया जाता है सामान्य कार्य फिर से चालू नहीं किया जाएगा ।"

(14) नियम 128 के खंड (ग) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अ-स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"(घ) अन्तःस्थ बालक जहाँ प्रयोग किए गए हैं नगुक्ति बिद्युत रोशकों में संस्थापित किए जाएंगे ।"

(15) नियम 130 में, परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक और जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

"परन्तुक यह और कि प्रभुसंपन्न न्यूट्रल प्रणाली की दशा में निरीक्षण के अनुमोदन से पर्याप्त संरक्षण की व्यवस्था की जाएगी ।"

(16) नियम 134 के उपनियम (1) में "50 (1) (क), (ख) और (ग), 51 (1)" शब्द, अंक, अक्षर और कोष्ठक के स्थान पर "50 (1) (क), (ख) और (घ), 50क (2), 51 (1)" शब्द, अंक, अक्षर और कोष्ठक रखे जाएंगे ।

(17) उपाखण्ड 12 में, अन्तः गण्यताक 1 और उसके संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

"1. बिद्युत पर्यवेक्षक का नाम"

[सं. सी ई वी/पी पी-30/93]

डी. एम. रेड्डी, सचिव (क.डी.बी.)

MINISTRY OF POWER

Central Electricity Board)

New Delhi, the 1st January, 1993

G.S.R. 45.—Whereas certain draft rules further to amend the Indian Electricity Rules, 1956 were published as required under sub-section (1) of Section 38 of the Indian Electricity Act, 1910 (9 of 1910), with the notification of the Government of India in the Ministry of Power and Non-conventional Energy Sources (Central Electricity Board) No. G.S.R. 357 dated the 21st July, 1992 in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (i) dated the 1st August, 1992 inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of the period of ninety days from the date on which the copies of the Gazette of India in which the notification was published were made available to the public;

And whereas public notice was published in leading daily newspapers during September, 1992.

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 37 of the said Act, and after due consideration of the objections and suggestions received, the Central Electricity Board hereby makes the following rules further to amend the Indian Electricity Rules, 1956.

RULES

1. (1) These rules may be called the Indian Electricity (Amendment-1) Rules, 1992.
- (2) They shall come into force on the date of final publication in the Official Gazette.
2. In the Indian Electricity Rules, 1956.—
 - (1) in rule 2, in sub-rule (1), after clause (u), the following clause shall be inserted, namely :—

“(uu) “Flameproof Enclosure” means an enclosure for electrical machinery or apparatus that will withstand, when the covers or other access doors are properly secured, an internal explosion of the inflammable gas or vapour which may enter or originate inside the enclosure, without suffering damage and without communicating the internal flammation (or explosion) to the external inflammable gas or vapour in which it is designed to be used, through any joints or other structural openings in the closure”;
 - (2) In rule 29, in sub-rule (1), for the words “personnel any property” the words “human beings, animals and property” shall be substituted ;
3. In rule 45,—
 - (a) in sub-rule (1), for the words “consumer, owner or occupier”, the words “consumer, supplier, owner or occupier” shall be substituted ;
 - (b) in the proviso to sub-rule (1), for the words “consumers, owners or occupiers”, the words “consumers, suppliers, owners or occupiers” shall be substituted ;
4. For rule 58, the following shall be substituted namely :—

“58. Point of commencement of supply.—The point of commencement of supply of energy to a consumer shall be deemed to be the point at the incoming terminal of the cut-outs installed by the consumer under rule 50” ;

5. In rule 89, the following proviso shall be added at the end namely :—

“Provided that the number of tappings per conductor shall not be more than four in case of low and medium voltage connections.” ;

6. In rule 110, for the Explanation, the following shall be substituted, namely :—

“Explanation.—For the purposes of this rule, the word “engineer” shall—

- (a) in the case of a coal mine, have the same meaning as assigned to it in the Coal Mines Regulations, 1957 ;
- (b) in the case of a metalliferous mine, have the same meaning as assigned to it in the Metalliferous Mines Regulations, 1961, and
- (c) in the case of an oil mine, mean the ‘Installation Manager, under the Oil Mines Regulations, 1984 ;

7. In rule 114, in sub-rule (2), for the words “dry and efficient ventilation,” the words “dry and illuminated and efficient ventilation,” shall be substituted ;

8. In rule 116, in sub-rule (3), for the words ‘system shall be checked once in three months’ the words ‘system shall always be kept and maintained in working order, shall be checked once every three months’ shall be substituted ;

9. For rule 119, the following rule shall be substituted, namely :—

“119. Transformers.—Where energy is transformed, suitable provision shall be made to guard against danger by reason of the lower voltage apparatus becoming accidentally charged above its normal voltage by leakage from or contact with the higher voltage apparatus.” ;

10. In rule 121.—

- (a) in sub-rule (1), the words “at the surface of the mine or oil-field” shall be omitted.
- (b) After sub-rule (1), the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that in the case of gassy coal seam of degree II and degree III, the main mechanical ventilator operated by electricity shall be interlocked with the switchgear so as to automatically disconnect the power supply in the event of stoppage of main mechanical ventilator.” ;

11. In rule 123, in sub-rule (7), in the second proviso, for the words “shovels and excavators”, the words “electrically operated heavy earth-moving machinery” shall be substituted ;

12. In rule 124, the following proviso shall be added at the end, namely :—

“Provided that all portable and transportable machines used in underground mines shall operate on remote control from the concerned switchgear with Pilot Core Protection.” ;

13. In rule 126,—

- (a) in sub-rule (4), after clause (d), the following shall be added at the end, namely :—

“and such apparatus shall be interlocked with the controlling switch in such a manner as to disconnect power supply automatically in the event of percentage of inflammable gas exceeding one and one quarter in that particular district.” ;

- (b) In the proviso as so amended, for the word “appliances” at both the places where it occurs, the word “apparatus” shall be substituted ;

- (c) In sub-rule (5), after clause (i) and before existing proviso, the following shall be inserted, namely :—

“In an Oil Mine where concentration of inflammable gas exceed 20% of its lowest explosive limit, the

supply of electric energy shall be cut-off immediately from all cables and apparatus lying within 30 metres of the installation and all sources of ignition shall also be removed from the said area and normal work shall not be resumed unless the area is made gas-free.”;

14. In rule 128, after clause (c), the following clause shall be inserted, namely :—

“(d) bare conductors, where used shall be installed in suitable insulators.”;

15. In rule 130, after the proviso, the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided further that in case of unearthed neutral system adequate protection shall be provided with the approval of the Inspector.”;

16. In rule 134, in Sub-rule (1) for the figures, brackets, letters and word “50(1)(a)(b) and (d), 51(1)” the figures, brackets, letters and word “50(1)(a), (b) and (d), 50-A(2), 51(1)” shall be substituted.

17. In Annexure XII, for serial No. 1 and the entry relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“1. Name of electrical supervisor.”

[No. CEB/PP-30/93]

B. M. REDDY, Secy. (CEB)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 1992

सा.का.नि. 46:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लेडी हार्डिंग मेडिकल कालिज और श्रीमती सुबेला कृपानी अस्पताल, नई दिल्ली में सांख्यिकी सह-व्यवस्था अभिलेख पुस्तकालय अध्याय के पत्र पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लेडी हार्डिंग मेडिकल कालिज और श्रीमती सुबेला कृपानी अस्पताल, नई दिल्ली में सांख्यिकी सह-व्यवस्था अभिलेख पुस्तकालय अध्याय भर्ती नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पत्र-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पत्र की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपाय्य अनुसूची के स्तम्भ 2 से 3 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, प्रवृत्ताएं आदि :—उक्त पत्र पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य प्रवृत्ताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरवृत्ता : यह व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पत्र पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को वास्तव्य विधि के अर्धतः अनुज्ञेय है, और ऐसा करने के लिए अन्य प्राधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती।

5. विधिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ यह उनके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके उन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा विधिल कर सकती।

6. ध्यावृत्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य नियमितियों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों से अन्तःपुर अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों की के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पत्र का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद अथवा अन्योन्य पद	पत्र में निर्दिष्ट वर्गों का प्रावधान केन्द्रीय लिखिल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 30 के अन्वये अनुज्ञेय है या नहीं	न तो भर्ती किए जाते या वे अर्हताओं के लिए प्रावधानों
1	2	3	4	5	6	7
सांख्यिक-सह-व्यवस्था अभिलेख पुस्तकालय आध्यक्ष	1 (एक)* *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' राजपत्रित, अननुसूचित	975-20-1150-द. रो.-30बा1540 ब	अन्य	नहीं	18 से 35 वर्ष की आयु (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए 5 वर्ष तक विधिल जा सकता है। टिप्पणी : आयु-सीमा अधधारित करने के लिए निर्णायक तारीख आगत में अध्यापिकाओं से आवेदन आगत करने के लिए नियत की

1	2	3	4	5	6	7
						<p>गई अंतिम तारीख होगी)</p> <p>त कि वह अंतिम तारीख जो प्रथम, मेरालय, अरुणाचल प्रदेश मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, मिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति जिले तथा कश्मीर जिले के पांगी उपखंड, अवमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अध्यापकों के लिए विहित की गई है।</p> <p>टिप्पण : ऐसे पद की बाबत जिस पर नियुक्ति रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जाती है, आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।</p>

भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं।

संघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की अवधि यदि कोई हो।
विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की वया में लागू होगी या नहीं

8	9	10
<p>1. किमी मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से मैट्रिकुलेशन या समतुल्य अर्हता।</p> <p>2. किमी मान्यता प्राप्त संस्था से चिकित्सा अभिलेख तकनीकी प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र।</p> <p>3. 30 शब्द प्रति मिनट की गति के साथ टंकण का ज्ञान।</p> <p>टिप्पण : अर्हताएं अन्यथा सुसंस्कृत अध्यापकों की वया में सक्षम प्राध्यापकों के विवेकानुसार गिनाए जा सकती हैं।</p>	<p>आयु : नहीं</p> <p>शैक्षिक अर्हताएं : हां</p>	<p>दो वर्ष</p>

भर्ती की पद्धति : भर्ती संघे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति /प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वया में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

11	12
100 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, जिनके न हो सकने पर सीधे भर्ती द्वारा।	<p>संस्था के ऐसे समूह "ब" कर्मचारियों में से प्रोन्नति जिन्होंने</p> <p>(1) 825-1209 रु./-</p> <p>(2) 800-1150 रु./-</p> <p>(3) 775-1025 रु./-</p> <p>(4) 750-940 रु./- के घेतनमान में क्रमशः 5, 6, 7 और 8 वर्ष नियमित सेवा की है और जिसके पास सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए स्तर S में विहित अर्हताएं हैं।</p>

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में कि प्रतिनियुक्तियों में एवं तब तक भरा अयोग्य से परामर्श किया जाएगा।

13	14
<p>समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे।</p> <p>1. उप प्रधानाचार्य/उप चिकित्सा अधिकारी अध्यक्ष</p> <p>2. सम्बद्ध विभाग का प्रधान सदस्य</p> <p>3. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/प्रशासनिक अधिकारी सदस्य</p>	<p>नागू नहीं होगा</p>

[सं.ए.-12018/37/89-भार.भार. (एम.ई.यू.ओ.)]
भारत भूषण शर्मा, डैक्स अधिकारी

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 21st December, 1992

G.S.R. 46.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the methods of recruitment to the post of Statistician-cum-Medical Record Librarian in the Lady Hardinge Medical College and Smt. Suchita Kriplani Hospital, New Delhi, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Lady Hardinge Medical College and Smt. Suchita Kriplani Hospital, New Delhi, Statistician-cum-Medical Record Librarian Recruitment Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of the recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said schedule.

4. Disqualification—No person,

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reason to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving—Nothing in these rules shall affect reservations relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post
1	2	3	4	5
Statistician-cum-Medical Record Librarian.	1(one)* (1992)	General Central Service, Group 'C', Non-Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 975-20-1150-EB-30-1540.	Selection
	*Subject to variation dependent on workload.			
Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972	Age limit for direct recruits		Educational and other qualifications required for direct recruits	
6	7		8	
No	Between 18-25 years of age. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note 1. The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep). Note 2 : In respect of post, the appointment to which is made through the Employment Exchange, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.		1. Matriculation or equivalent qualification from a recognised Board/University. 2. Certificate of Medical Record Technician Training from a recognised Institution. 3. Should have knowledge of Typing with a speed of 30 words per minute. Note : Qualifications are relaxable at the discretion of the Competent Authority in the case of candidates otherwise well qualified.	

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any.	Methods of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades in which promotion/deputation/transfer to be made
9	10	11	12
Age—No Educational Qualification—Yes.	Two years	100% by promotion failing which by direct recruitment.	Promotion from Group 'D' Staff in the Institution in the scale of :— (1) Rs. 825-1200 (2) Rs. 800-1150 (3) Rs. 725-1025. (4) Rs. 750-940 with 5, 6, 7 and 8 years regular service in the respective grades possessing qualifications prescribed for direct recruits in Column 8.
If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.		Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.	
13		14	
Group 'C' Departmental Committee comprising :— 1. Vice Principal/Deputy Medical Superintendent 2. Head of the concerned Department 3. Chief Administrative Officer/Administrative Officer		Not applicable. — Chairman — Member — Member	
[No. A—12018/37/89-RR(ME-UG)] B.B. SHARMA, Desk Officer.			

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Border Roads Development Board)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 31st December, 1992

G.S.R. 47.—In the English version of the Government of India, Ministry of Surface Transport (Border Roads Development Board) Notification No. G.S.R. 471 dated 21-9-92 published in the extract from the Gazette of India Part II-Section 3(i) dated 17-10-92, the following correction may be made :—

On page No. 3—

(a) Against S/No. 4 after 'No person', delete the 'hyphen', and in last paragraph thereunder after 'Central Government', delete the 'Comma'.

(b) Under Column 12 of the Schedule the following corrections are required to be made :—

(i) In the third line delete the letter 'S' appearing before 'failing' and add 'S' before 'tenographers'.

(ii) In line four, for "service" read "service".

(iii) In line eight, for "holdng" read "holding".

(iv) In line fourteen, for "Hnd" read "Hindi" and for "English" read "English".

(v) Under 'Note' in second line, for "drect", read "direct".

(vi) Under "Note" in seventh line, for "immedately", read "immediately".

(c) In the proforma above column 13 remove the 'apostrophe' in the word 'it's'.

(d) Under Column 13 of the Schedule the following errata may please be made :—

(i) for "Promoition", read "Promotion".

(ii) for "Considerng", read "Considering".

(iii) for "Deputy Director General Personnel Headquarter", read "Deputy Director General (Personnel), Headquarters".

[No. F. 144(18)/90-Pers.]

M. ANJANEYULU, Under Secy.

